SHIKSHA SAMVAD
International Open Access Peer-Reviewed & Refereed
Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
Volume-02, Issue-01, September- 2024
www.shikshasamvad.com

"महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवम् अनुदानित शिक्षकों के समायोजन का अध्ययन"

डॉ0 सोमेन्द्र सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा विभाग ,राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय ,रामपुर

माणिक रस्तोगी
असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा विभाग ,राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय ,रामपुर

सारांशः

मानवीय सभ्यताओं के विकास में शिक्षा की केंद्रीय भूमिका रही है। शिक्षा मानव जाति के समस्त विचारों व चिंतन को आकार प्रदान करती है। समाज में उत्तम नागरिक तैयार करने में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि है। जो आदर्श व नैतिकता एक शिक्षक के व्यवहार में होते हैं उन्हीं आदर्शों व व्यवहार का प्रतिरूप उसके विद्यार्थियों में आने की संभावना अधिक रहती है। आधुनिक शिक्षा संस्थाओं में समय-समय पर अनेक समस्याएँ परिलक्षित होती हैं जो शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। आधुनिक शैक्षिक संस्थाएँ अनेक कारकों से प्रभावित रहती हैं। इन समस्त कारकों का प्रभाव शिक्षण संस्था के वातावरण एवम शिक्षकों पर भी पड़ता है जो शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। प्रस्तुत शोध कार्य हेतु भी शोधार्थी द्वारा ऐसे ही कुछ चरों व कारकों का चयन किया गया है जो शिक्षण अधिगम व शिक्षक की कार्यप्रणाली को प्रभावित करते है। प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोधार्थी द्वारा राजकीय व अनुदानित महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण, शिक्षकों का समायोजन जैसे चरों व कारकों का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन में राजकीय व अनुदानित शिक्षकों का समायोजन समान पाया गया। संस्थागत वातावरण के विभिन्न स्तरों के मध्य भी अंतर सार्थक नही पाया गया। अर्थात उच्च, माध्यम व निम्न समूह में आने वाले शिक्षकों के समायोजन में भी अंतर सार्थक नही है। परन्तु संस्थागत वातावरण व समायोजन के मध्य परस्परिक प्रभाव सार्थक पाया गया। जिससे सिद्ध होता है कि संस्थागत वातावरण व समायोजन एक दूसरे पर सार्थक प्रभाव डालते हैं।

1.प्रस्तावनाः-

भारतीय शिक्षा आयोग (1964-66) ने अपनी रिपोर्ट का शुभारम्भ इन शब्दों के साथ किया- "भारत के भविष्य का निर्माण उसकी कक्षाओं में हो रहा है"। स्वतंत्र भारत में शिक्षा के विकास एवं सुधार हेतु कई आयोगों एवं समितियों का गठन किया जा चुका है, जिनमें

विभिन्न प्रकार से शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया है तथा शिक्षा को मानवीय व्यवहार के विकास हेतु अनिवार्य बताया है। नई शिक्षा नीति 1986 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी शिक्षा को मानव के कल्याण हेतु एक उपकरण के रूप में परिभाषित किया गया, जिससे नागरिकों को व्यावहारिक व तकनीकी रूप से कुशल बनाकर राष्ट्र का विकास किया जा सके।

वर्तमान में शिक्षण संस्था का वातावरण कई प्रकार से शिक्षक की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकता है। संस्था का वातावरण शिक्षक के अनुकूल होने पर शिक्षक अपने शिक्षण दायित्वों के प्रति सजग रहेगा और उसे संस्था में समायोजन करने में समस्या का सामना नही करना पड़ेगा। इसका सीधा प्रभाव शिक्षक की मनोवृत्ति व कार्यशीलता पर पड़ेगा। प्रभावी शिक्षण-अधिगम हेतु शिक्षक का अपने कार्य के प्रति समायोजित होना आवश्यक है। महाविद्यालयों में शिक्षक को भौतिक, प्रशासनिक, वित्तीय, शैक्षिक एवं व्यावसायिक वातावरण के क्षेत्रों समायोजन करना होता है। उक्त समस्त क्षेत्रों में भली-भाँति समायोजन करके ही एक शिक्षक अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन सही प्रकार कर सकता है।

2.उद्देश्य:-

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों के समायोजन का अध्ययन करना।

3.शोध परिकल्पना

H01. महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

4.प्रमुख शब्दों का परिभाषीकरण

समायोजन

गेट्स व अन्य के अनुसार, ‘‘समायोजन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने और अपने वातावरण के बीच संतुलित सम्बन्ध रखने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है’’।

प्रस्तुत अध्ययन में समायोजन का तात्पर्य राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों द्वारा महाविद्यालयी परिस्थितियों में समायोजन करने से है।

संस्थागत वातावरण

संस्थागत वातावरण, किसी शैक्षिक संस्था के वातावरण को प्रेरित करने वाले निर्धारकों का योग होता है। अप्रत्यक्ष रूप से किसी संस्था के संस्थागत वातावरण को संस्था के सदस्यों के संगठन के माध्यम से समझा जा सकता है। शैक्षिक व्यवसाय में शिक्षण और संकाय सदस्य सदैव अभिन्न अंग रहें है। अनुभवी और योग्य शिक्षकों द्वारा शिक्षण में स्वायत्ता के माध्यम से एक बेहतर व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को निश्चित किया जा सकता है। संस्थागत वातावरण में सम्मिलित कारकों के समन्वित प्रयासों से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को निश्चित किया जा सकता है (कुमार, रमेश एवं हुकेरी, 2018)।

राजकीय महाविद्यालय

राजकीय महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसी शिक्षण संस्थाओं से है जो विद्यार्थियों को स्नातक व परास्नातक की शिक्षा प्रदान करती है। राजकीय महाविद्यालयों के प्रबंधन व नियुक्तियों पर राज्य सरकार का नियंत्रण होता है।

अनुदानित महाविद्यालय

अनुदानित महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसी शिक्षण संस्थाओं से है जो विद्यार्थियों को स्नातक व परास्नातक की शिक्षा प्रदान करती है। अनुदानित महाविद्यालयों के प्रबंधन पर महाविद्यालय की प्रबंधन समिति का नियंत्रण होता है जबकि शिक्षकों व प्राचार्यों की नियुक्तियों उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा की जाती है।

4.न्यादर्श एवं शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन हेतु जनसंख्या के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ उत्तर प्रदेश से संबद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों को माना गया है तथा अध्ययन हेतु प्रथम चरण में स्तरीकृत यादृच्छिक न्यदर्शन विधि द्वारा 10 राजकीय एवम् 20 अनुदानित महाविद्यालयों से 75, 75 कुल 150 शिक्षकों का चयन यादृच्छिक विधि से अध्ययन हेतु किया गया।

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु आँकड़ों का संकलन शोधकर्ता द्वारा निर्मित 'संस्थागत वातावरण प्रश्नावली'एवं''शिक्षक समायोजन प्रश्नावली' का प्रयोग किया गया। आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने हेतु शोध उद्देश्यों व परिकल्पनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार मध्यमान, मानक विचलन, टी-परीक्षण और एनोवा परीक्षणों का प्रयोग किया गया।

5. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

H0 1.महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहींहै।

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों के समायोजन में सार्थक अन्तर ज्ञात करने के लिए संस्थागत वातावरण के विभिन्न स्तरों के लिए समायोजन ज्ञात करने हेतु मध्यमान और मानक विचलन की गणना की गई। यह मान तालिका संख्या 5.1 में तथा प्रसरण विश्लेषण (एनोवा) के मान तालिका संख्या 5.2 में दर्शाये गये हैं।

तालिका- 5.1: समायोजन के विभिन्न स्तरों के संदर्भ में शिक्षकों के समायोजन हेतु मध्यमान व मानक विचलन

संस्थागत वातावरण स्तर	संस्था का प्रकार	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या
उच्च	राजकीय	84.85	14.40	16
	अनुदानित	87.37	17.87	60
	कुल योग	85.38	15.10	76
मध्यम	राजकीय	84.31	13.35	80
	अनुदानित	88.20	20.71	69
	योग	86.40	17.74	149
निम्न	राजकीय	79.75	10.94	54
	अनुदानित	93.762	23.32	21
	योग	83.68	16.52	75
कुल योग	राजकीय	85.07	17.84	150
	अनुदानित	85.85	15.71	150
	योग	85.46	16.78	300

रेखाचित्र 4.7: संस्थागत वातावरण के संदर्भ में समायोजन का मध्यमान

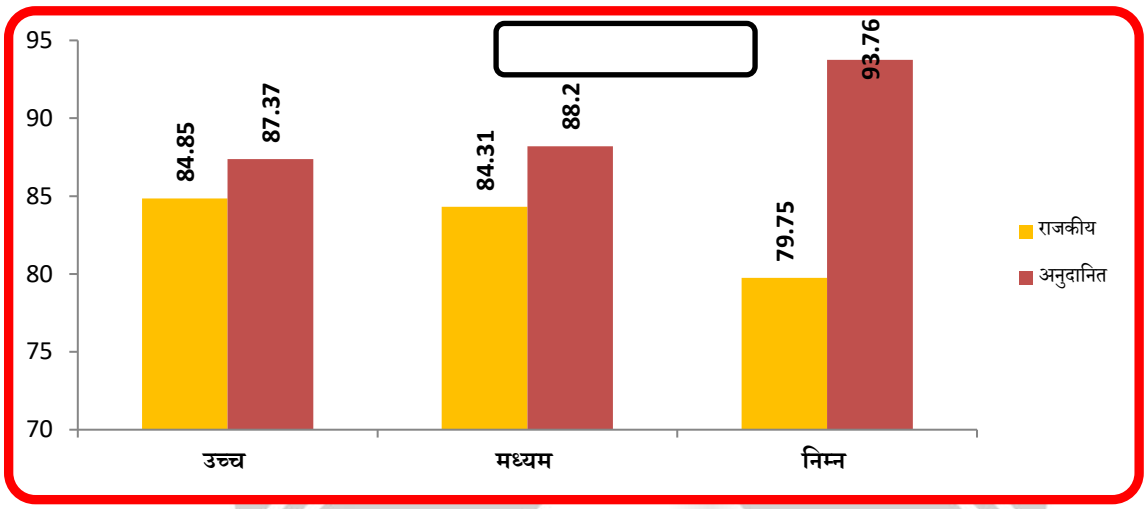

तालिका 5.2:प्रसरण विश्लेषण निष्कर्ष (संस्थागत वातावरण के सन्दर्भ में समायोजन)

अध्ययन चर (Study Variables)	वर्ग योग (Sum of Squares)	स्वतंत्रांश (df)	मध्यमान वर्ग (Mean Square)	एफ-मान (F-value)
संस्थागत वातावरण स्तर	14.260	2	7.130	.026
संस्था का प्रकार (राजकीय व अनुदानित शिक्षक)	334.925	1	334.925	1.227
संस्थागत वातावरण स्तर*संस्था का प्रकार	3583.183	2	1791.591	6.564
त्रुटि	80250.865	294	272.962	

(*0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक)

प्रसरण विश्लेषण के परिणाम से ज्ञात हुआ कि संस्थागत वातावरण के तीन समूहों यथा उच्च, मध्यम व निम्न समूह भी एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न नहीं हैं। क्योंकि एफ-मान .026 प्राप्त हुआ है, जो स्वतंत्रांश (2, 294) तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है। तालिका संख्या 5.1 के अनुसार उच्च समूह का मध्यमान 85.38, मध्यम समूह का मध्यमान 86.40 तथा निम्न समूह का मध्यमान 83.68 प्राप्त हुआ है।

संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय तथा अनुदानित शिक्षकों के समायोजन के लिये एफ- मान (F-Value) 1.22 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रांश (1, 294) तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है। इसलिए शून्य परिकल्पना कि 'महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयी शिक्षकों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है', को स्वीकृत किया जाता है।

यदि एफ- मान सार्थक नहीं है तो इसका अर्थ है कि कोई समूह एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न नहीं हैं। सार्थक रूप से भिन्न समूहों का पता लगाने के लिये टूके एचएसडी पोस्ट हॉक विश्लेषण किया गया, जिसे तालिका - 5.3 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 5.3.**संस्थागत वातावरण स्तरों के मध्य, मध्यमान अंतराल की बहुविध तुलना**

Sum of Squares	df	Mean Square
1346.255	2	673.128
34.455	1	34.455
370.303	1	370.303
966.659	1	966.659

समूह (I)	समूह (J)	मध्यमान अंतराल (I-J)
उच्च	मध्यम	-.147
	निम्न	-.648
मध्यम	उच्च	.147
	निम्न	-.501
निम्न	उच्च	.648
	मध्यम	.501

(*मध्यमान अंतराल 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक)

तालिका 5.3 से ज्ञात होता है कि संस्थागत वातावरण के उच्च, मध्यम तथा निम्न समूह तथा राजकीय व अनुदानित शिक्षक समायोजन के संदर्भ में एक दूसरे के साथ पारस्परिक प्रभाव डालते हैं, जिसका एफ मान 6.56 प्राप्त हुआ जो 0.05 सार्थकता स्तर व स्वतंत्रांश 1, 294 पर सार्थक है।

तालिका 5.1, 5.2 व 5.3 के आधार पर कहा जा सकता है कि राजकीय व अनुदानित शिक्षकों के समायोजन में कोई अंतर नही है। अर्थात राजकीय व अनुदानित शिक्षकों का समायोजन समान पाया गया। संस्थागत वातावरण के विभिन्न स्तरों के मध्य भी अंतर सार्थक नही पाया गया। अर्थात उच्च, माध्यम व निम्न समूह में आने वाले शिक्षकों के समायोजन में भी अंतर सार्थक नही है। परन्तु संस्थागत वातावरण व समायोजन के मध्य परस्परिक प्रभाव सार्थक पाया गया। जिससे सिद्ध होता है कि संस्थागत वातावरण व समायोजन एक दूसरे पर सार्थक प्रभाव डालते हैं।

संदर्भ ग्रंथ (Bibliography)

कर्ट, डी0 जी0 (2022). इफेक्ट ऑफ फेमिली, फ्रेंड्स एंड स्कूल क्लाइमेट ऑन स्कूल एडजस्टमेंट ऑफ मिडिल स्कूल स्टूडेंट्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोग्रेसिव एजुकेशन, 18*(2), 193-209. (Retrieved from: https://files.eric.ed.gov/fulltext/EJ1343090.pdf on December 31, 2022)

-पुनिया एवं अनीता (2017). इफेक्ट ऑफ फेमिली क्लाइमेट ऑन द एडजस्टमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद स्पेशल निड्स. *एजुकेशनल क्वेस्ट: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड एप्लाइड सोसल साइन्स, 8*(3), 727-730. (Retrieved from: http://ndpublisher.in/admin/issues/EQv8no3g.pdf December 31, 2022) .

बेकर, जे0 ए0 (2006) द्वारा 'कंट्रिब्यूशन ऑफ टीचर-चाइल्ड रिलेशनशिप टू पॉज़िटिव स्कूल एडजस्टमेंट ड्यूरिंग एलीमेंटरी स्कूल. *जर्नल ऑफ स्कूल साइकोलोजी, 44*(3), 211-229. (Retrieved from: https://www.sciencedirect.com/science/article/ pii/S002244050 6000215 on December 27, 2022)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986). मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार: नई दिल्ली.

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

SHIKSHA SAMVAD

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed or Refereed Research Journal
ISSN: 2584-0983 (Online) Impact-Factor, RPRI-3.87
Volume-02, Issue-01, Sept.- 2024
www.shikshasamvad.com
Certificate Number-Sept-2024/39

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ0 सोमेन्द्र सिंह और माणिक रस्तोगी

For publication of research paper title

"महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवम् अनुदानित शिक्षकों के समायोजन का अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-02, Issue-01, Month September, Year- 2024, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.shikshasamvad.com